-कोंकणी

क्यों? | कित्याक?

संकल्पना
मीनाक्षी स्वामी
कोंकणी अनुवाद
प्रकाश एस. पर्येंकार
चित्र
पार्थ सेनगुप्ता

संकल्पना
मीनाक्षी स्वामी
कोंकणी अणकार
प्रकाश एस. पर्येंकार
चित्रां
पार्थ सेनगुप्ता

बच्चों के लिए द्विभाषी संस्करण
Bilingual Editions for Children

क्यों? | कित्याक?

संकल्पना
मीनाक्षी स्वामी

कोंकणी अनुवाद
प्रकाश एस. पर्येंकार

चित्र
पार्थ सेनगुप्ता

संकल्पना
मीनाक्षी स्वामी

कोंकणी अणकार
प्रकाश एस. पर्येंकार

चित्रां
पार्थ सेनगुप्ता

nbt.india
एकः सूते सकलम्

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
NATIONAL BOOK TRUST, INDIA

6 से 8 वर्ष के बच्चों के लिए

ग्रास, भारत एक स्वायत्त निकाय है जो भारत सरकार (उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय) द्वारा 1957 में किताबों और पठन को बढ़ावा देने के लिए या था। बच्चों के लिए द्विभाषी संस्करणों की शृंखला के तहत यह पुस्तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के दिशनिर्देशों के अनुसार द्विभाषी प्रारूप में प्रकाशित ई है, जिसका उद्देश्य बच्चों के लिए पूरक पठन-सामग्री का निर्माण करना है ताकि वे देश के बहुभाषी ताने-बाने के साथ तालमेल बैठा सकें।

डिसक्लेमर

इस द्विभाषी संस्करण के लिए कहानी का उपयुक्त रूप से संपादन किया गया है।

ग्रास, भारत ही 1957 वर्सा पुस्तक आनी वाचनाक प्रोत्साहन दिवपा खातीर भारत सरकारान (उच्चतर शिक्षण विभाग, शिक्षण मंत्रालय) स्थापन केल्ली स्वायत्त ातीर द्विभाषीक आवृत्ती माळे अंतर्गत हें पुस्तक राष्ट्रीय शिक्षण धोरण, 2020 च्या मार्गदर्शक तत्त्वां प्रमाण द्विभाषी रुपान प्रकाशीत केलां, जाचो उद्देश देशाच्या भोवभाशीक प्रवाहांत भुरग्यांक सहजतायेन वावुरपा खातीर पुरक अशी वाचन सामुग्री तयार करप असो आसा.

डिसक्लेमर

ही काणी ह्या द्विभाषीक संस्करण खातीर फावो ते पद्दतीन संपादीत केल्या.

हें पुस्तक राष्ट्रीय पुस्तक न्यास हांचे वतीन मार्च 2022 वर्सा, गोंय हांगा आयोजीत कार्यशाळेंत तयार जालां.

ISBN 978-93-5491-775-2

संस्करण (हिंदी-कोंकणी) : 2023 (*शक* 1944)

© मीनाक्षी स्वामी *(मूल हिंदी)*
ाषी संस्करण, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत

क्यों? *(मूल हिंदी)*
कित्याक? *(कोंकणी अनुवाद)*

₹ 65.00

देशक, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II
ंज, नई दिल्ली-110 070 द्वारा प्रकाशित
Website: www.nbtindia.gov.in

ISBN 978-93-5491-775-2

पयला द्विभाषी संस्करण (हिंदी-कोंकणी) : 2023 (*शक* 1944)

© मीनाक्षी स्वामी *(मूळ हिंदी)*
© ही द्विभाषी संस्करण, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत

क्यों? *(मूळ हिंदी)*
कित्याक? *(कोंकणी अणकार)*

₹ 65.00

संचालक, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
नेहरू भवन, 5 इंस्टिट्युशनल एरिया, फेज-II
वसंत कुंज, नवी दिल्ली-110 070 वतीन प्रकाशीत
Website: www.nbtindia.gov.in

यह एक जिज्ञासु बच्चे की कहानी है जो अपनी माँ से कई तरह के प्रश्न पूछता है, जैसे—पेड़ दौड़ क्यों नहीं सकते, हम उड़ क्यों नहीं सकते आदि। बच्चा अपने प्रश्नों के सरल शब्दों में उत्तर जानना चाहता है, लेकिन उसे समझना होगा कि ये प्रकृति के चमत्कार हैं और इन रहस्यों का खुलासा धीरे-धीरे होगा।

आपले आवयक वेगवेगळे प्रस्न विचारपी एका जिज्ञासू भुरग्याची ही काणी. जशें - झाडां कित्याक धांवनात? आमी उडूंक कित्याक शकनात? भुरगो आपल्या प्रस्नांच्यो जापो सरळ शब्दांनी जाणून घेवपाक सोदता. पूण हे सैमाचे चमत्कार आसात. तांच्या त्या गुपितांची गजाल एक दीस ताका हळू हळू समजपाक लागतली.

₹ 65.00
ISBN 935491775-5
9 789354 917752
22232060

nbt.india
एकः सूते सकलम्

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
NATIONAL BOOK TRUST, INDIA